DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---------- DATED----------

दैनिक जागरण 5
नई दिल्ली, 8 सितंबर, 2022
www.jagran.com

यमुना किनारे रिवर फ्रंट की मिली सौगात

- एलजी वीके सक्सेना ने रिवर फ्रंट के पहले चरण का किया उद्घाटन
- 90 हेक्टेयर के रिवर फ्रंट में जलाशय, पैदल पथ, ग्रीनवे, खेल मैदान

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली : लक्ष्मी नगर के पास यमुना खादर में असिता ईस्ट परियोजना के तहत विकसित 90 हेक्टेयर रिवर फ्रंट के पहले चरण का बुधवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उद्घाटन किया। पूर्वी दिल्ली के लोगों के लिए रिवर फ्रंट एक प्राकृतिक उपहार है। डीडीए ने इसमें जलाशय, पैदल पथ, ग्रीन-वे, बच्चों के लिए खेल मैदान और हरित क्षेत्र विकसित किया है। इसमें चार हजार से ज्यादा नीम, जामुन, बेर, बेलपत्र, अमलतास, गुलमोहर आदि के पौधे लगाए गए हैं। आसपास के लोग यहां प्रकृति को निहारने के साथ स्वच्छ हवा में सांस ले सकते हैं।

डीडीए ने परियोजना से जुड़ा प्रजेंटेशन दिखाया। इसके माध्यम से बताया कि असिता यमुना का दूसरा नाम है, इसलिए पुराने रेलवे पुल से आइटी बैराज तक यमुना खादर क्षेत्र में रिवर फ्रंट विकसित करने के लिए शुरू की गई 197 हेक्टेयर की परियोजना के साथ यह नाम जोड़ा गया। पहले चरण में विकास मार्ग आइटीओ बैराज के पास 90 हेक्टेयर क्षेत्र को विकसित किया गया है। इसकी हरियाली से राजधानी का पूर्वी हिस्सा लाभान्वित होगा। इसके दूसरे चरण में 107 हेक्टेयर का काम जल्द शुरू किया जाएगा। दूसरे चरण की भूमि उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के अधिकारी क्षेत्र में आती है, इसलिए इस विकास कार्य के लिए उससे के साथ डीडीए ने करार किया है।

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि प्रदूषित हवा, दूषित पानी और कूड़े के पहाड़ दिल्ली की सबसे बड़ी परेशानी हैं। प्रधानमंत्री का सपना है कि राजधानी और सुंदर व स्वच्छ बने। उन्होंने बताया कि जहां सुंदर रिवर फ्रंट बन कर तैयार हुआ है, पहले यहां शुग्गियां और मलबा था। डीडीए ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और लोगों के सहयोग से परियोजना को संभव बनाया। दिल्ली को बेहतर बनाने के लिए इस तरह के विकास कार्यों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि गत सौ दिन में 30 परियोजनाएं शुरू की गई हैं। साथ ही कहा कि यमुना में 700 एमजीडी अनुपचारित पानी को गिरने से रोकने के लिए वह प्रयासरत हैं। लक्ष्मी नगर विधायक ने कहा कि इस स्थान पर पहले रोहिंग्या और बांग्लादेशियों का कब्जा था। डीडीए के उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता ने कहा कि इस रिवर को तैयार करने में 20 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

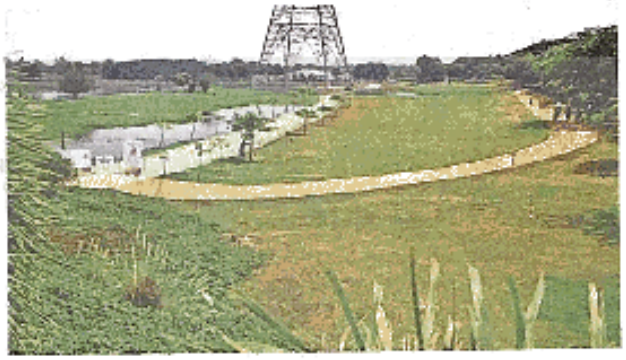

यमुना किनारे डीडीए द्वारा तैयार किया गया असिता ईस्ट ● जागरण

बनाया जाएगा एक रेस्तरां

रिवर फ्रंट में एक रेस्तरां खोला जाएगा। कार्यक्रम के दौरान उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसका सुझाव दिया। इस रेस्तरां के खुलने पर लोग यहां प्रकृति का आनंद लेने के साथ व्यंजनों का स्वाद ले सकेंगे।

सुनाई देगी पक्षियों की चहचहाहट

डीडीए के अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि रिवर फ्रंट देशी और विदेशी पक्षियों का बसेरा बनेगा। यहां पर स्पाटबिल्ड डक, इंडियन मूरहेन, पर्पल स्वैम्पेन, ग्रे हेडेड कैनरी फ्लाईकैचर आदि जैसे पक्षियों को देखा गया है।

विशेषताएं

- 150 मीटर क्षेत्र ग्रीन-वे बनाया
- 300 मीटर पारिस्थितिक क्षेत्र (ईकोलाजिकल एरिया) विकसित
- जलाशय की करीब 60 हजार घन मीटर पानी सहेजने की क्षमता
- सेल्फी प्वाइंट मुख्य आकर्षण का केंद्र

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
THURSDAY, SEPTEMBER 8, 2022

NAME OF NEWSPAPERS---------- DATED----------

LG inaugurates DDA project on floodplain

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Delhi lieutenant governor VK Saxena on Wednesday inaugurated the Asita East project on the Yamuna, which aims at restoring ecological character of floodplain and provide breathable public green space, the Raj Niwas said in a statement.

Spread over an area of 197 hectares, the project is a part of Delhi Development Authority's (DDA) ongoing restoration and rejuvenation programme of the Yamuna floodplain. A total of 90 hectares of the area is with DDA, located adjacent to the Vikas Marg and the remaining area falls under the jurisdiction of Uttar Pradesh Irrigation Department.

The location near Vikas Marg, which forms the southern edge of the project, was inaugurated and opened to the people on Wednesday. The Pushta Road forms the eastern edge of the project and the river flows towards its west.

As part of the project, about 150 metres of the area along the major roads has been developed as 'greenway', which is proposed to be a public recreation zone comprising walkways, water bodies and open spaces for congregation along with public amenities, it said. Nearly 300 metres of the area along the edge of the Yamuna river has been developed as an 'Ecological Zone' with *kachha* trails at regular intervals for people to walk up to the river.

4k TREES APPROX PLANTED IN THE AREA

Around 4,000 trees and 33.5 lakh riverine grasses have been planted in the area and an existing depression measuring around 2 hectares has been restored into a waterbody for catchment of flood waters, it said.

Saxena appealed to Delhi residents to come forward and play the role of a proactive stakeholders in making the city's air, water and environment pollution-free. He hoped that the national capital will soon have sufficient eco-friendly and environmentally rejuvenating public green spaces for recreation and other public activities, taking the example of DDA recent initiatives in the shape of various biodiversity parks, nursery at Khoja Wala Bagh, Baansera on the Yamuna Bank and rejuvenation of the Anang Tal Baoli, among others.

दैनिक जागरण | 3
नई दिल्ली, 8 सितंबर, 2022

दूसरे राज्यों की नीतियां करेंगी दिल्ली के स्लम का समाधान

स्लम एरिया के पुनर्विकास के लिए 10 सितंबर को होगा मंथन

वी के शुक्ला ● नई दिल्ली

दिल्ली के स्लम एरिया का पुनर्विकास कैसे हो, इस पर दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) उन राज्यों के विशेषज्ञों से सुझाव लेगा, जहां स्लम के पुनर्विकास पर बेहतर काम हुआ है। इसके लिए दिल्ली में कार्यशाला आयोजित होगी। कार्यशाला में आए सुझावों पर दिल्ली के लिए मसौदा तैयार किया जाएगा। उसी के आधार पर स्लम पर काम किए जाने की योजना है। डूसिब पहली बार इस तरह का प्रयास कर रहा है। कार्यशाला में महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश आदि के विशेषज्ञ शामिल होंगे। बुद्धिजीवी व ओडिशा से राज्यसभा सदस्य अमर पटनायक भी अपने सुझाव देंगे। कार्यशाला में पूर्व केंद्रीय मंत्री शत्रुघन सिन्हा और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी वक्ता के रूप में शामिल होंगे।

स्लम के पुनर्विकास के लिए दिल्ली सरकार पिछले सात वर्ष से हाथ पैर मार रही है, लेकिन आगे नहीं बढ़ पा रही है। जहां झुग्गी वहीं मकान के तहत नए फ्लैट बनाने की योजना आगे नहीं बढ़ सकी है। यहां तक कि पुराने बने फ्लैट भी झुग्गी वालों को आवंटित नहीं हो सके हैं। हालांकि, बीते वर्षों में इस क्षेत्र में कुछ काम हुआ है, मगर बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। स्लम के पुनर्विकास के लिए अब सरकार नए सिरे से सोच रही है। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 10 सितंबर को राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला होने जा रही है। इस कार्यशाला में इस बात पर मंथन होगा कि दिल्ली के स्लम एरिया का कैसे पुनर्विकास किया जाए। इसमें कम से कम सात राज्यों के विशेषज्ञों को बुलाया जाएगा। इसमें डूसिब, नगर निगम, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी), डीडीए से लेकर संबंधित एजेंसियों के पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। दिल्ली में 677 स्लम बस्तियां हैं, जो दिल्ली सरकार, रेलवे, नगर निगम, डीडीए, एनडीएमसी सहित केंद्र के अधीन आने वाली अन्य एजेंसियों की जमीन पर बसी हैं।

महाराष्ट्र, ओडिशा और आंध्र प्रदेश के विशेषज्ञ राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में होंगे शामिल, सुझावों पर डूसिब करेगा काम

पूर्वी दिल्ली की झुग्गी ● जागरण आर्काइव

डूसिब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के. महेश ने कहा कि दिल्ली में स्लम में रहने वाले लोगों की आबादी करीब 30 लाख होगी। कार्यशाला में स्लम के पुनर्विकास के लिए विशेषज्ञों के सुझाव लिए जाएंगे। उनसे एक मसौदा तैयार किया जाएगा ताकि स्लम का बेहतर तरीके से पुनर्विकास किया जा सके। इसी दिशा में यह एक प्रयास है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । गुरुवार, 8 सितंबर 2022

NAME OF NEWSPAPERS---DATED---------

उत्तम नगर से विकासपुरी की रोड ज्यादा सेफ बनाएंगे डिवाइडर

स्ट्रीट लाइट्स का भी किया जा रहा है बंदोबस्त

■ विशेष संवाददाता, उत्तम नगर

उत्तम नगर से विकासपुरी की ओर जाने वाली सड़क को सुरक्षित बनाने की पहल डीडीए ने कर दी है। डीडीए के अनुसार, सड़क का काम पूरा होने के बाद यह अधिक सुरक्षित हो जाएगी। करीब सौ फुट चौड़ी इस सड़क के बीच अब डिवाइडर बनाकर गाड़ियों के आने-जाने के लिए लेन बनाई जा रही है। सड़क पर रोशनी के इंतजाम भी किए जा रहे हैं। लोग पिछले काफी समय से यहां अंधेरा होने की बात कर रहे थे।

> इस रोड का निर्माण डीडीए की तरफ से करीब एक साल पहले किया गया था

इस सड़क पर डिवाइडर न होने से गाड़ियां लेन ड्राइविंग का पालन नहीं करती थीं। इस रोड का निर्माण डीडीए ने करीब एक साल पहले किया था। इस सड़क की वजह से विकासपुरी और उत्तम नगर की ओर आने वाले वाहन चालकों को एक गलियारा उपलब्ध हो गया है। इसके पहले विकासपुरी और उत्तम नगर आने-जाने वाले वाहनों को कई किलोमीटर का चक्कर लगाकर जाम की समस्या से जूझना पड़ता था। निर्माण के समय सड़क के बीच में आ रहे पेड़ों को हटाया गया है। इन पेड़ों की वजह से हादसों का डर बना हुआ था। कई वाहन चालक इससे टकराकर जख्मी भी हुए थे। डीडीए के अनुसार, वन विभाग की अनुमति मिलने के बाद इस सड़क से करीब एक दर्जन पेड़ों को हटाया गया है। इसके बाद यहां डिवाइडर बनाने के लिए पर्याप्त जगह बन गई। साथ ही, इस सड़क पर स्ट्रीट लाइन न होने की वजह से भी लोग परेशान थे। जबकि यह सड़क काफी सुनसान है। अब सड़क के बीचोंबीच स्ट्रीट लाइट के खंबे भी लगाए जाएंगे।

अब डिवाइडर बनाकर गाड़ियों के आने-जाने के लिए लेन बनाई जा रही है

विकासपुरी निवासी अमित त्यागी ने बताया कि यह सड़क उत्तम नगर और विकासपुरी के बीच का सबसे बड़ा लिंक है। रोजाना इससे हजारों गाड़ियां आती-जाती हैं। ऐसे में डिवाइडर से यह सड़क सुरक्षित हो पाएगी। काम को जल्दी पूरा करना चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में धुंध की समस्या बढ़ेगी। वहीं उत्तम नगर के पुलकित शर्मा ने बताया कि सड़क बनने से काफी सुविधा हुई है, लेकिन सड़क सुरक्षित नहीं थी। उम्मीद है जल्द ही इसकी कमियां दूर हो जाएंगी।

दिल से दिल्ली — दिल्ली के सबसे अहम मलयाली प्रतीक कौन से

विवेक शुक्ला

मलयालियों के लिए ओणम पर्व दिवाली से कम महत्वपूर्ण नहीं है। खास बात ये है कि इसका किसी धर्म से कोई लेना नहीं है। इसे सब मलयाली उत्साह से मनाते हैं। इस बार दस दिनों तक चलने वाले ओणम की शुरुआत 8 सितंबर से हो रही है। जाहिर है, दिल्ली में रहने वाले मलयाली भी ओणम मनाएंगे। ओणम के बहाने बात करेंगे दिल्ली के कुछ खास केरल से जुड़े प्रतीकों की। शुरुआत करते हैं कनॉट प्लेस के केरल क्लब से। ओणम पर केरल क्लब में मलयाली भोजन परोसा जाएगा। यह राजधानी के मलयाली समाज की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र है। इसे 1939 में दिल्ली में रहने वाले मलयालियों ने शुरू किया था। इसके पहले अध्यक्ष बने थे वी.पी. मेनन, जो सरदार पटेल के खास थे। उन्होंने राजे-रजवाड़ों को भारत से मिलवाने में अहम भूमिका निभाई थी। केरल क्लब की दीवारों पर बहुत सारे राजधानी के प्रमुख मलयालियों के चित्र लगे हुए हैं। उनमें एक चित्र सी.के. नायर का भी है। वे 1952 के पहले लोकसभा चुनाव में बाहरी दिल्ली सीट से निर्वाचित हुए थे। दिल्लीवाले उन्हें गांवों का गांधी कहते थे। नायर की दिल्ली डिवेलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) को स्थापित करने में अहम भूमिका रही थी।

त्रावणकोर हाउस से केरल स्कूल तक ▶▶ पेज 5

THE INDIAN EXPRESS.

DDA kicks off project to revive Yamuna floodplains

New Delhi: In a bid to restore the ecology of the Yamuna floodplains, the Delhi Development Authority Wednesday inaugurated the Asita East project near Laxmi Nagar. The project is a part of the land-owning agency's ongoing Yamuna floodplain restoration and rejuvenation drive.ENS

हिन्दुस्तान

यमुना से सटा क्षेत्र संवारा जाएगा

पहल

नई दिल्ली। प्रमुख संवाददाता

यमुना के किनारे बाढ़ क्षेत्र में पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल रखने के लिए बुधवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने असिता ईस्ट योजना की शुरुआत की। इसका मकसद बाढ़ क्षेत्रों की पारिस्थितिक स्थिति को बहाल करना और हरित क्षेत्र विकसित करना है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ओर से किए जा रही इस योजना के अंतर्गत मुख्य सड़कों से सटे लगभग 100-150 मीटर क्षेत्र को 'ग्रीन वे' के रूप में विकसित किया गया है। नदी के मुहाने से सटे 300 मीटर तक के क्षेत्र को 'इकोलॉजिकल जोन' के रूप में विकसित किया गया है। किया जा रहा है। योजना की शुरुआत यमुना नदी के लक्ष्मी नगर की तरफ वाले बाढ़ क्षेत्र से किया गया है। असिता ईस्ट योजना 197 हेक्टेयर भूमि पर फैला हुई है, जिसमें 90 हेक्टेयर डीडीए के पास है, जबकि बाकी भूमि यूपी सिंचाई विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है।

हरित पट्टी बढ़ाने पर जोर : उपराज्यपाल

इस मौके पर विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि दिल्ली के हरित क्षेत्रों को बढ़ाने पर हमारा जोर है। शहर के निवासियों से अपील की कि वे शहर की हवा, पानी और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने में भागीदार बनें। अपने-अपने स्तर पर प्रयास करके प्रदूषण को कम करें। लोगों को भी इसमें भागीदारी निभानी होगी। कार्यक्रम में भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता, ओपी शर्मा, अभय वर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । गुरुवार, 8 सितंबर 2022

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

हरियाली के बीच सैर करते हुए पहुंच सकेंगे यमुना के किनारे

उपराज्यपाल ने असिता ईस्ट प्रोजेक्ट जनता के लिए समर्पित किया

■ वरिष्ठ संवाददाता, नई दिल्ली

यमुना किनारे नवीनीकरण के प्रोजेक्ट के तहत बुधवार को एलजी वी. के. सक्सेना ने असिता ईस्ट प्रोजेक्ट को जनता के लिए समर्पित कर दिया। अब लोग लक्ष्मी नगर के पास यमुना किनारे आकर हरियाली के बीच सैर कर सकेंगे। इसके लिए यमुना के पास तक जाने वाली मुख्य सड़कों से सटे 100-150 मीटर हिस्से को ग्रीन-वे के रूप में विकसित किया गया है। साथ ही, नदी के तट से सटे 300 मीटर तक के हिस्से को इकोलॉजिकल जोन के तौर पर तैयार किया गया है।

यमुना के किनारों से सटे 300 मीटर क्षेत्र को इकोलॉजिकल जोन में विकसित किया गया है

यमुना किनारे रीडिवेलपमेंट का ये प्रोजेक्ट 197 हेक्टेयर भूमि पर फैला है

इस प्रोजेक्ट का मकसद यमुना बाढ़ क्षेत्र की पारिस्थितिक स्थिति को बहाल करना है। इस मौके पर एलजी के साथ डीडीए सदस्य विजेंद्र गुप्ता, ओपी शर्मा, लक्ष्मी नगर के विधायक अभय वर्मा, डीडीए के उपाध्यक्ष मनीष कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

'असिता ईस्ट' में क्या खास

यह प्रोजेक्ट 197 हेक्टेयर भूमि पर फैला हुआ है। इसमें 90 हेक्टेयर भूमि डीडीए की और बची हुई जमीन उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की है। प्रोजेक्ट के तहत मुख्य सड़कों के साथ 100 से 500 मीटर क्षेत्र को ग्रीन-वे के रूप में विकसित किया गया है। यह सार्वजनिक मनोरंजन जोन रहेगा। इसमें पैदल चलने का रास्ता, जलाशय और सभा आदि के लिए एकत्रित होने की जगह के साथ जन सुविधाएं व खुली जगह भी हैं। इसके अलावा यमुना किनारे के साथ लगभग 300 मीटर क्षेत्र को इकोलॉजिकल जोन के रूप में विकसित किया गया है। इसमें नदी के किनारे तक कच्चे रास्ते भी हैं। यमुना बाढ़ क्षेत्र में लगभग 4000 पौधे और 33.5 लाख रिवराइन घास लगाई जा चुकी है। आईटीओ से यमुना ब्रिज क्रॉस करते ही असिता ईस्ट की एंट्री नजर आ जाएगी। इसके लिए आपको रैनीवेल बस स्टॉप पर उतरना होगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक भास्कर | नई दिल्ली, गुरुवार 08 सितंबर, 2022

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

भास्कर खास • विकास मार्ग से सटे डीडीए की 90 हेक्टेयर भूमि का लोकार्पण, लोगों के लिए इसको खोला

उपराज्यपाल ने असिता ईस्ट योजना का उद्घाटन किया, यमुना से सटा 300 मीटर क्षेत्र होगा पारिस्थितिक क्षेत्र

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने यमुना नदी के बाढ़ के मैदानों के भौगोलिक स्थित को बहाल करने के लिए लक्ष्मी नगर के पास 197 हेक्टेयर भूमि में फैली हुई दिल्ली विकास प्राधिकरण(डीडीए) की दिल्ली के पर्यावरण के लिए महत्वाकांक्षी योजना असिता पूर्व परियोजना का डीडीए मेंबर विजेंद्र गुप्ता, ओपी शर्मा, अभय वर्मा मुख्य सचिव नरेश कुमार और डीडीए के उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता, उद्घाटन किया। इसमें 90 हेक्टेयर भूमि डीडीए के पास है और बाकी जमीन यूपी सिंचाई विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है। विकास मार्ग दक्षिणी छोर बनाता है, पुश्ता रोड, पूर्वी किनारा और यमुना नदी इसके पश्चिम की ओर बहती है। एलजी ने बुधवार को विकास मार्ग से सटे डीडीए के तहत 90 हेक्टेयर भूमि का लोकार्पण कर आम लोगों के लिए इसको खोल दिया गया है।

एलजी की अपील: पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने में आमजन आएं

इस अवसर पर उपराज्यपाल सक्सेना ने अपील किया कहा कि दिल्ली को ज्यादा हरा भरा बनाने के लिए शहर के निवासियों को आगे आना चाहिए। आम नागरिक शहर की वायु, जल और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने में एक सक्रिय हितधारक की भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि डीडीए ने हाल ही में विभिन्न जैव-विविधता पार्कों, खोजा वाला बाग में नर्सरी, यमुना बैंक पर बांसरा और अनंग ताल बावली के कायाकल्प के रूप में कई खास कदम उठाए हैं। एलजी ने कहा कि इस प्रोजेक्ट

के हिस्से के रूप में, प्रमुख सड़कों के साथ लगभग 100-150 मीटर क्षेत्र को 'ग्रीनवे' के रूप में विकसित किया गया है, जिसे सार्वजनिक मनोरंजन क्षेत्र के रूप में प्रस्तावित किया गया है जिसमें पैदल मार्ग, जल निकास और जनता सुविधाओं के लिए खुले स्थान शामिल हैं। इसके अलावा, यमुना नदी के किनारे के लगभग 300 मीटर क्षेत्र को एक 'पारिस्थितिक क्षेत्र' के रूप में विकसित किया गया है, जिसमें लोगों को नदी तक चलने के लिए नियमित अंतराल पर कच्चा ट्रेल्स हैं। इसका उद्देश्य शहर के लोगों के साथ यमुना नदी के प्राचीन और सामान्य संपर्क को पुनर्जीवित करना है। यमुना बाढ़ के मैदानों के अनुकूल वृक्षारोपण को रणनीतिक रूप से चुना गया है और अब तक लगभग 4000 पेड़ और 33.5 लाख नदी घास लगाए गए हैं।

millenniumpost
NEW DELHI | THURSDAY, 8 SEPTEMBER, 2022

L-G inaugurates Asita East project

SATVIKA MAHAJAN

NEW DELHI: Delhi L-G V.K. Saxena inaugurated the Asita East project near Laxmi Nagar on Wednesday. The project is a part of Delhi Development Authority's ongoing restoration and rejuvenation programme of the Yamuna floodplains to restore the ecological character of the floodplains of Yamuna river and give breathable public green space to the people of East Delhi.

Asita East project is spread over 197 hectares of land, 90 lectures of the land falls under DDA's jurisdiction and the rest falls under the jurisdiction of UP Irrigation Department. Saxena underlined the importance of Delhi reclaiming its green spaces and appealed to the residents of the city to come forward and play the role of a proactive stakeholder in making the city's air, water and environment pollution free.

The L-G said he hopes that the Capital will soon have sufficient eco-friendly and environmentally rejuvenating public green spaces for recreation and other public activities.

As part of the Asita East Project, about 100-150 mts of the area along the major roads has been developed as 'Greenway'

As part of the Asita East Project, about 100-150 mts of the area along the major roads has been developed as 'Greenway', which is proposed to be a public recreation zone comprising walkways, water bodies and open spaces for congregation along with public amenities. Plantations conducive to the Yamuna flood plains have been strategically chosen and about 4,000 trees and 33.5 lakh riverine grasses have been planted so far. An existing depression measuring approximately 2 hectares has been restored into a waterbody for catchment of flood waters. This waterbody has the capacity to store approximately 50,000-60,000 CuM of water during the monsoons.

Asita East once developed will be a spot for several bird lovers to enjoy since it is home to a range of resident birds like Spotbilled Duck, Indian Moorhen, Purple Swamphen and migratory birds like Indian Paradise Flycatcher, Verditer Flycatcher, Grey Headed Canary Flycatcher, etc.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

नई दिल्ली। बृहस्पतिवार • 8 सितम्बर • 2022 | राष्ट्रीय सहारा

अमर उजाला

NEWSPAPERS------------------------------------DATED------------------

मुख्य सड़कों के साथ 100 से 500 मीटर क्षेत्र को 'ग्रीनवे' के रूप में विकसित किया

यमुना नदी पर परियोजना का उद्घाटन करते एलजी। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी में हरित क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने, हवा, पानी और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए असिता ईस्ट परियोजना के तहत मुख्य सड़कों के साथ लगभग 100-500 मीटर क्षेत्र को 'ग्रीनवे' के रूप में विकसित किया है। यहां पैदल मार्ग, जलाशय और सभा आदि के लिए जन-सुविधाओं से युक्त खुले स्थान शामिल है। उपराज्यपाल ने बुधवार को यमुना नदी पर असिता ईस्ट प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया।

लक्ष्मी नगर के पास यमुना नदी के बाढ़ के मैदानों की पारिस्थितिक स्थिति को बहाल करने और पूर्वी दिल्ली के लोगों को स्वच्छ वायु प्रदाय हरित क्षेत्र प्रदान करने के लिए किया गया। यह कार्य डीडीए की असिता ईस्ट प्रोजेक्ट का भाग है। इसके अतिरिक्त यमुना नदी किनारे के साथ-साथ लगभग 300 मीटर क्षेत्र को पारिस्थितिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है। डीडीए के अनुसार, यमुना बाढ़ के मैदानों के लिए लाभकारी पौधारोपण को कार्यनीतिक दृष्टि से चयनित किया गया है और अभी तक लगभग 4000 वृक्ष व 33.5 लाख रिवराइन घास लगाई जा चुकी है। लगभग दो हैक्टेयर के मौजूदा अवसाद क्षेत्र को बाढ़ के पानी के संग्रहण के लिए एक जलाशय के रूप में बहाल किया गया है। असिता ईस्ट प्रोजेक्ट 197 हैक्टेयर भूमि पर फैला है।

यमुना के किनारे बना 'असिता ईस्ट प्रोजेक्ट' जनता को समर्पित

सहारा न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली।

यमुना नदी के दोनों तरफ करीब 300 मीटर के क्षेत्रफल को विकसित 'असिता ईस्ट प्रोजेक्ट' का उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को उद्घाटन किया। इसमें 100 से 150 मीटर के क्षेत्र को ग्रीनवे के रूप में विकसित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र की पारिस्थितिक स्थिति को बहाल करना और स्वच्छ वायु प्रदाय सार्वजनिक हरित क्षेत्र प्रदान करना है। इस मौके पर भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता, ओपी शर्मा, अभय वर्मा, डीडीए उपाध्यक्ष एवं मुख्य सचिव भी मौजूद थे।

यमुना के 300 मीटर क्षेत्रफल को इकोलॉजिकल जोन के रूप में किया गया है विकसित

इससे लोगों को शुद्ध हवा, पानी और प्रदूषण मुक्त वातावरण मिलेगा

उप-राज्यपाल ने कहा कि यमुना के 300 मीटर क्षेत्रफल को इकोलॉजिकल जोन के रूप में विकसित किया गया है। यह प्रोजेक्ट 197 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। इसका 90 एकड़ क्षेत्रफल डीडीए के पास है, जबकि बाकी जमीन उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग की है। विकास मार्ग से लगा हुआ यह क्षेत्र पुश्ता रोड के पूर्वी छोर पर स्थित है और इससे सटे यमुना नदी बहती है।

उपराज्यपाल ने इस प्रोजेक्ट के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इससे शहर के लोगों को शुद्ध हवा, पानी और प्रदूषण मुक्त वातावरण मिलेगा। प्रोजेक्ट में शामिल योजनाओं की जिक्र करते हुए कहा कि इसमें जैव विविध्य पार्क, खोजा वाला बाग, यमुना बैंक पर बसेरा और इसके साथ ही अनंत ताल बावली के पुनरोद्धारके रूप में इसे शामिल किया गया है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-- पंजाब केसरी | नई दिल्ली | बृहस्पतिवार, 8 सितंबर 2022

परियोजना का उद्घाटन | दिल्ली को ज्यादा हरा भरा बनाने के लिए शहर के निवासियों को आगे आना चाहिए...

'साफ हवा में सांस ले पाएंगे दिल्लीवाले'

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को यमुना नदी के बाढ़ के मैदानों के पारिस्थितिक चरित्र को बहाल करने और पूर्वी दिल्ली के लोगों को सांस लेने योग्य सार्वजनिक हरी जगह मुहैया कराने के लिए लक्ष्मी नगर के पास असिता पूर्व परियोजना का उद्घाटन किया। यह प्रोजेक्ट दिल्ली विकास प्राधिकरण के यमुना बाढ़ के मैदानों की बहाली और कायाकल्प कार्यक्रम का एक हिस्सा है। इस अवसर पर डीडीए मैंबर और विधायक विजेन्द्र गुप्ता, ओपी शर्मा और अभय वर्मा के अलावा मुख्य सचिव नरेश कुमार, डीडीए के वाइस चेयरमैन मनीष गुप्ता के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

उद्घाटन के बाद डीडीए के वीसी ने बताया कि असिता पूर्व परियोजना 197 हेक्टेयर भूमि में फैली हुई है, जिसमें से 90 हेक्टेयर भूमि डीडीए के पास है और बाकी जमीन यूपी सिंचाई विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है। विकास मार्ग दक्षिणी छोर बनाता है, पुश्ता रोड, पूर्वी किनारा और यमुना नदी इसके पश्चिम की ओर बहती है। विकास मार्ग से सटे डीडीए के तहत 90 हेक्टेयर भूमि का लोकार्पण कर लोगों के लिए खोल दिया गया है। एलजी ने इस मौके पर कहा कि दिल्ली को ज्यादा हरा भरा बनाने के लिए शहर के निवासियों को आगे आना चाहिए। आम नागरिक शहर की वायु, जल और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने में एक सक्रिय हितधारक की भूमिका निभा सकते हैं।

पौधारोपण करते एलजी विनय कुमार सक्सेना।

करीब 150 मीटर क्षेत्र 'ग्रीनवे' के रूप में विकसित

एलजी ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में, प्रमुख सड़कों के साथ लगभग 100-150 मीटर क्षेत्र को 'ग्रीनवे' के रूप में विकसित किया गया है, जिसे सार्वजनिक मनोरंजन क्षेत्र के रूप में प्रस्तावित किया गया है जिसमें पैदल मार्ग, जल निकाय और जनता सुविधाओं के लिए खुले स्थान शामिल हैं। इसके अलावा, यमुना नदी के किनारे के लगभग 300 मीटर क्षेत्र को एक पारिस्थितिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य शहर के लोगों के साथ यमुना नदी के प्राचीन और सामान्य संपर्क को पुनर्जीवित करना है। एलजी ने आशा व्यक्त कि की राजधानी में जल्द ही मनोरंजन और अन्य सार्वजनिक गतिविधियों के लिए पर्याप्त इको फ्रेंडली और पर्यावरण कायाकल्प करने वाले हरित क्षेत्र उपलब्ध होंगे।